नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी
1934 से

एक नजर में

इथियोपिया में मारबर्ग वायरस की दस्तक

नई दिल्ली. पूरी दुनिया अभी कोरोना वायरस जैसी महामारी को भुला भी नहीं पाई है कि अब एक और ऐसे वायरस ने दस्तक दी है। इस वायरस का नाम मारबर्ग है, जिसका पहला मामला पूर्वी अफ्रीकी देश इथियोपिया से सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार इथियोपिया में पहली बार मारबर्ग वायरस रोग के मामलों की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ओमो क्षेत्र में नौ लोग संक्रमित पाए गए हैं, यह इलाका दक्षिण सूडान की सीमा के पास है। यह पुष्टि तब हुई जब स्वास्थ्यकर्मियों ने कुछ मरीजों में वायरल हेमोरेजिक बुखार से जुड़े लक्षण देखे। मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम ने कहा कि इथियोपिया की स्वास्थ्य एजेंसियों ने तेज और पारदर्शी कदम उठाए हैं।

आईएमटीएमईएक्स फॉर्मिंग का होगा आयोजन

अहमदाबाद. भारतीय मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमटीएमए) 21 से 25 जनवरी, 2026 तक बेंगलुरु स्थित बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आईएमटीएमईएक्स फॉर्मिंग 2026 का आयोजन करेगा। आईएमटीएमए की अध्यक्ष मोहिनी केलकर ने कहा कि आईएमटीएमईएक्स फॉर्मिंग 2026 एशिया का सबसे बड़ा मेटल निर्माण प्रौद्योगिकी शो, जो दुनिया भर के उद्योग जगत के दिग्गजों को बेंगलुरु लाएगा मेटल निर्माण और विनिर्माण प्रौद्योगिकियों पर एशिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी में 20 देशों के 600 से अधिक प्रदर्शक चार प्रदर्शनी हॉलों में 46,000 वर्ग मीटर प्रदर्शनी क्षेत्र में भाग लेंगे।

रूसी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हुई

कीव. यूक्रेन में राजधानी कीव और अन्य शहरों में तड़के रूस के हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है और 35 घायल हुए हैं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि रूस ने रातभर यूक्रेन की राजधानी पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिससे कई महत्वपूर्ण ठिकानों को नुकसान पहुंचा. हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिसमें लवीव, लुत्स्क और चेर्निहिव जैसे शहरों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा. उन्होंने बताया कि यूक्रेन पर कुल मिलाकर 430 ड्रोन और 19 मिसाइलों से हमला किया गया, जिनमें तीन किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलें और एक जिरकोन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल हैं.

अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर हुई दो एफआईआर

नई दिल्ली, 15 नवंबर. दिल्ली पुलिस ने शनिवार को फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की हैं. दिल्ली पुलिस के एक अफसर ने कहा कि क्राइम ब्रांच ने यूनिवर्सिटी द्वारा झूठी मान्यता को लेकर किए गए दावों पर धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए एफआईआर दर्ज की है.

यूजीसी और नेक दोनों ने इस यूनिवर्सिटी के कामकाज की समीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों को चिह्नित किया और इसके बाद ही एजेंसियों को कदम उठाना पड़ा. इससे पहले, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भी दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट के पीछे बड़ी साजिश की जांच के लिए आपराधिक साजिश के मामले में एफआईआर दर्ज की थी. पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है. इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के दो डॉक्टर्स समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है. पुलिस ने बताया कि ये डॉक्टर्स लाल किले के पास विस्फोट करने वाली कार के चालक डॉ. उमर नबी को जानने वाले थे.

यूनिवर्सिटी के 15 डॉक्टरों की तलाश में पुलिस

जांच एजेंसियां दिल्ली में ब्लास्ट की साजिश की पूरी परतें उजागर करने और मुजम्मिल के नेटवर्क को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं. इस बीच खबर आई है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी के 15 डॉक्टर लापता हैं. ये वही डॉक्टर हैं, जो मुजम्मिल के संपर्क में थे. जांच एजेंसियां मुजम्मिल की कॉल डिटेल्स के आधार पर उन डॉक्टरों को तलाश रही हैं, जिन्होंने उससे कई बार बातचीत की थी, लेकिन उनके फोन बंद आ रहा है. जब एजेंसियां पूछताछ के लिए अल फलाह यूनिवर्सिटी पहुंची तो ये डॉक्टर यहां भी मौजूद नहीं थे.

तब्लीगी जमात के कई सदस्यों को हिरासत में लिया

राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला विस्फोट मामले में जांच एजेंसियों ने चांदनी चौक स्थित फैज इलाही मस्जिद से तब्लीगी जमात के कई सदस्यों को हिरासत में लिया है। कथित तौर पर यह मस्जिद वही है, जहां कथित आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था। सूत्रों के मुताबिक संदिग्ध डॉ. उमर की मौजूदगी के कारण जमात के सदस्यों से पूछताछ की गई, हालांकि पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

सैकड़ों किलो मादक पदार्थ जब्त

एनसीबी और राजस्थान पुलिस ने की कार्रवाई

100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाई जा सकती है

40 करोड़ रुपए बाजार कीमत अनुमानित

नई दिल्ली, 15 नवंबर (वार्ता) नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राजस्थान पुलिस ने सरकार के मादक पदार्थों के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ी कार्रवाई की.

राजस्थान के सिरोही जिले के दूर दराज के एक गांव में गुप्त प्रयोगशाला का भंडाफोड़ कर सैकड़ों किलोग्राम रसायन जब्त किए हैं, जिनसे करीब 100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाई जा सकती है. एनसीबी ने शनिवार को बताया कि जब्त किए पदार्थों की बाजार में अनुमानित कीमत 40 करोड़ रुपए है. प्रयोगशाला के सूत्रधार और 4 अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मेफेड्रोन का इस्तेमाल साइकोट्रोपिक ड्रग्स के तौर पर तेजी से बढ़ रहा है. एनसीबी ने राजस्थान में विशेष रूप से जिला पुलिस को संवेदनशील बनाने के लिए मासिक जिला स्तरीय तंत्र का इस्तेमाल करते हुए कई बैठकें की हैं.

इसके बाद राज्य पुलिस ने एनसीबी के स्थानीय कार्यालय को रसायनों और प्रयोगशाला उपकरणों से भरे ड्रम के बारे में जानकारी दी.

पंजाब में हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़

अमृतसर 15 नवंबर (वार्ता) पंजाब में अमृतसर काउंटर इंटेलिजेंस ने एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके एक सुनियोजित हत्या को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया और द्वद्दल नौ पिस्तौलें, दो मैग्जीन और पांच कारतूस बरामद किये। ये हथियार क्षेत्र में अंतर-गिरोह प्रतिद्वंद्विता से उत्पन्न एक लक्षित हत्या को अंजाम देने के लिए खरीदे थे। यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अवैध हथियार आपूर्तिकर्ताओं के संपर्क में था.

पंजाब में अपराधियों को गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हथियारों की आपूर्ति में मदद कर रहा था।

राष्ट्रहित बनाम राष्ट्रवाद की बहस तेज

- भारत से समाधान की उम्मीद : मोहन भागवत
- आक्रामक सीमा पार करने से युद्ध की स्थिति बनती है

जयपुर, 15 नवंबर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज वैश्विक परिदृश्य में संघर्ष सिर्फ शक्ति के विस्तार का नहीं, बल्कि 'राष्ट्रहित' बनाम 'राष्ट्रवाद' की जटिल बहस का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब राष्ट्रवाद अपनी आक्रामक सीमा पार करता है, तो विश्व युद्ध जैसे विनाशकारी परिणाम सामने आते हैं।

भागवत के अनुसार, युद्धों के बाद जब दुनिया ने अंतरराष्ट्रीयवाद की बात की तो उसका उद्देश्य वैश्विक सहयोग बनाना था, लेकिन वास्तविकता यह है कि अंतरराष्ट्रीयवाद की वकालत करने वाले भी अंतत: अपने राष्ट्रीय हित को ही सर्वोपरि रखते हैं। इस दोहरे संकट के बीच, शक्तिशाली देशों की राजनीति और प्रतिस्पर्धा का सीधा प्रभाव कमजोर देशों पर पड़ रहा है।

> आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियां- चाहे आर्थिक अस्थिरता हो, युद्ध हो, ऊर्जा संकट या सामाजिक तनाव- इन सबके समाधान को लेकर दुनिया आज भारत की ओर देख रही है। उनका कहना था कि भारत का दृष्टिकोण, वसुधैव कुटुंबकम और सबका साथ-सबका विकास पर आधारित है, जो प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग का मार्ग दिखाता है। भागवत ने कहा कि भारत की सभ्यता और दर्शन ऐसे समय में संतुलित और मानवीय रास्ता प्रस्तुत कर सकते हैं।

कार्यक्रम | झारखंड हाईकोर्ट का सिल्वर जुबली समारोह

तत्परता से काम करें हाईकोर्ट : जस्टिस

रांची, 15 नवंबर. झारखंड हाईकोर्ट के सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन हुआ. यहां सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि देश के हाईकोर्ट को ऐसी संस्थाओं के रूप में विकसित होना होगा, जो अन्याय पर उतनी ही तेजी, दक्षता और सटीकता से प्रतिक्रिया दें, जितनी तेजी से कोई अस्पताल का आपातकालीन वार्ड जीवन बचाने के लिए करता है.

उन्होंने कहा कि जैसे आपातकालीन विभाग एक क्षण की देरी भी बर्दाश्त नहीं कर सकता, वैसे ही न्यायपालिका को भी ऐसी क्षमता और तत्परता विकसित करनी होगी, जिससे संकट की घड़ी में तुरंत राहत दी जा सके. जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हाइकॉर्ट्स को अपनी कार्यप्रणाली में तकनीकी क्षमता को मजबूत करना होगा, प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा, विशेषज्ञता विकसित करनी होगी और न्यायिक तंत्र को ऐसी चुस्ती देनी होगी, जिससे उभरते हालातों के अनुसार तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके. उनके अनुसार, यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि न्याय तक पहुंच की व्यवस्था के विकास का अगला अनिवार्य चरण है.

> जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि संविधान ने तीन स्तरों वाली न्याय प्रणाली बनाई है, ट्रायल कोर्ट जो जनता के रोजमर्रा के विवाद सुलझाती हैं, सुप्रीम कोर्ट जो संवैधानिक सीमाओं की अंतिम संरक्षक है और इनके बीच हाईकोर्ट जो नागरिकों और संविधान के बीच सेतु का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट को प्राप्त शक्तियां अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट की तुलना में अधिक व्यापक हैं.

अमेरिका ने कॉफी और फलों पर से शुल्क हटाया

- टैरिफ पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यू-टर्न
- खाद्य आयात पर शुल्क में कटौती की

वॉशिंगटन, 15 नवंबर. टैरिफ बम फोड़कर दुनियाभर में बवाल मचाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब यू-टर्न ले लिया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने खाद्य आयात पर शुल्क में कटौती की है। ट्रंप का यह फैसला महंगाई को नियंत्रित करने और आम जनता को राहत देने के उद्देश्य से लिया गया है।

वहीं इससे भारत को भी फायदा होने वाला है। व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस फैक्टशीट में कॉफी और चाय, कोको, संतरे, टमाटर और बीफ का भी जिक्र किया गया। बता दें, ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क भी जोड़ दिया है। ट्रंप ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए पहले जेनेरिक दवाओं से टैरिफ हटा दिया था। ट्रंप के इस फैसले से भारत को काफी लाभ पहुंचा। भारत अमेरिका में निर्धारित 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। खाद्य उत्पादों की कीमतों में कुछ वृद्धि हाई टैरिफ की वजह से हुई, जिसकी वजह से इसका सीधा असर आयातकों और खुदरा विक्रेताओं के जरिए आम जनता की जेब पर देखने को मिला। न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और वर्जीनिया के हालिया चुनावों में डेमोक्रेट्स पार्टी ने अपने अभियान के दौरान महंगाई को मुद्दा बनाया। डेमोक्रेट्स ने महंगाई कम करने पर अपना फोकस रखा। इससे मतदाताओं की जेब पर कुल मिलाकर ज्यादा खर्च का दबाव पड़ा, जिससे उनकी जीत में मदद मिली। वहीं दूसरी ओर ट्रंप अंतरराष्ट्रीय मामलों, टैरिफ और निवेश में व्यस्त रहे और आम जनता के लिए जो महंगाई का मुद्दा था, उस पर उनका फोकस नहीं रहा।

यूसी की फंडिंग को नहीं रोक सकता ट्रंप प्रशासन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट से कड़ी फटकार लगाई है. अमेरिकी अदालत ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसी) की संघीय फंडिंग पर लगी रोक के विरोध में लगी याचिका पर बड़ा फैसला दिया. इस फैसले में कोर्ट ने कहा ट्रंप प्रशासन कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की संघीय फंडिंग न तो तुरंत रोक सकता है और न ही उस पर जुर्माना लगा सकता है। आपको बता दें यूसीएलए पर 1.2 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया था.

अभ्यास 'गरुड़' में रणकौशल के गुर साझा करेंगी वायु सेना

- वायु सेना फ्रांस के साथ आज से करेगी अभ्यास
- अभ्यास में 30 लड़ाकू विमान ले रहे हिस्सा

नई दिल्ली, 15 नवंबर (वार्ता) भारतीय वायु सेना करीब दो सप्ताह तक फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन में फ्रांसीसी वायु सेना के साथ द्विपक्षीय वायु अभ्यास गरुड़ 25 में रणकौशल के गुर और अनुभव साझा करेगी.

वायु सेना ने शनिवार को यहां एक वक्तव्य जारी कर कहा कि वायु सेनाकर्मियों का दल 16 से 27 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास के आठवें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए

गत 10 नवम्बर को फ्रांस पहुंच गया था. अभ्यास में वायु सेना के सुखोई-30 लड़ाकू विमान हिस्सा लेंगे जबकि मालवाहक विमान सी-17 ग्लोबमास्टर इसमें लॉजिस्टिक स्पोर्ट देगा. अभ्यास में हिस्सा लेने वाले लड़ाकू विमानों में हवा में ईंधन भरने के लिए आईएल-78 टैंकर विमान की मदद ली जाएगी.

SYMBIOSIS LAW SCHOOL, NAGPUR
Mouza - Wathoda, Nagpur - 440008
0712 - 6192200/10/12 | admission@slsnagpur.edu.in | www.slsnagpur.edu.in
BEGIN YOUR JOURNEY IN LAW WITH THE FINEST LEGACY OF EXCELLENCE
ADMISSIONS OPEN FOR 2026-2027
B.A. LL.B. | B.B.A. LL.B. | LL.M.
Key Differentiators
- Fully equipped on-campus accommodation for students
- Holistic curriculum and competent faculty
- Student exchange programme with foreign universities
- Skill-based legal education
- Tech-driven research environment and regular internship programme
- Industry interface through experiential learning

B.A. LL.B. | B.B.A. LL.B.
SLAT Examination Date:
Test 01: 20th Dec, 2025 (Saturday)
Test 02: 28th Dec, 2025 (Sunday)
Last Date for Online Registration:
For SLAT: 30th Nov, 2025 (Sunday)
Last Date for Online Registration and Payment for Programme:
17th Jan, 2026 (Saturday)

LL.M.
Specialisations:
1. Alternative Dispute Resolution
2. Business and Corporate Law
3. Criminal and Security Law
AIAT Examination Date:
20th Dec, 2025 (Saturday)
Last Date for Online Registration:
30th Nov, 2025 (Sunday)

For more details visit: www.slsnagpur.edu.in | Contact: 0712 - 6192200/10/12
Prof. (Dr.) Sukhvinder Badan Singh Dari, Director, SLS, Nagpur
SYMBIOSIS INTERNATIONAL (DEEMED UNIVERSITY)
(Established under Section 3 of the UGC Act, 1956) | Re-accredited by NAAC with 'A++' grade | Awarded Category – I by UGC
No Capitation Fee / Donation is charged for admission to any programme at any Symbiosis Institute.

पतंजलि®
देश की एकमात्र लिस्टेड कम्पनी जिसका 100% प्रॉफिट देशवासियों की सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान एवं राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है।
सर्दियों में ठण्ड से अपने आप को बचाएं, इम्यूनिटी बढ़ाएं, रोगों से लड़ने की शक्ति व आन्तरिक ऊर्जा पाएं।
पतंजलि का श्रेष्ठतम च्यवनप्राश, हनी व गाय का शुद्ध देशी घी खाएं।

ऑनलाइन ख़रीदें- www.patanjaliayurved.net | कस्टमर केयर- 18001804108
OrderMe ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन पतंजलि उत्पाद ऑर्डर करें।